

## “आजादी का अमृत महोत्सव” व्याख्यान कार्यक्रम -2

दिनांक : 13 अगस्त 2022 को आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के द्वारा संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में गोरक्षपीठ की भूमिका और महंत दिग्विजय नाथ की विशेष रूप से योगदान पर व्याख्यान देते हुए मुख्य वक्ता डा पद्मजा सिंह ने बताया कि स्वतंत्रता संग्राम में गोरखपुर में स्थित गोरक्षपीठ का और नाथ संप्रदाय का अहम भूमिका रहा है। प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम 1857 में नाथ संप्रदाय के संन्यासी अलख निरंजन ध्वनि के द्वारा स्वतंत्रता के प्रति गांव, समाज को जागरूक किया। महंत दिग्विजय नाथ जी ने जिनका बचपन का नाम नान्हू सिंह था जो मेवाणी राजपूत थे। गांधी जी के असहयोग आंदोलन में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया, चौरीचौरा काण्ड में भी इनका नाम आता है। राजनैतिक रूप में हिन्दू महासभा में सक्रिय रहे, मैकाले शिक्षा नीति के विपरित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना किया। कार्यक्रम का उद्घाटन डा. पद्मजा सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, इतिहास और पुरातत्व विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, के द्वारा किया गया। महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव माननीय डा. प्रदीप कुमार राव ने दीप प्रज्वलित करके भारत माता और गुरु गोरक्षनाथ के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर कुलसचिव माननीय डा. प्रदीप कुमार राव, गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज ऑफ नर्सिंग गोरखपुर की प्राचार्य सुश्री डा. डी. एस. अजीथा, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) के असिस्टेंट प्रोफेसर साध्वी नन्दन पाण्डेय, एसोसिएट प्रोफेसर डा. पीयूष वर्षा, एसोसिएट प्रोफेसर डा. दीपू मनोहर, डा. वर्षा, डा. सुमित, डा. जशोबन्त एवं सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।





